

पाँव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी, इनायत होगी  
वरना हमको नहीं, इनको भी शिकायत होगी  
शिकायत होगी

आप जो फूल बिछाएं उन्हें हम ठुकराएं - २  
हमको डर है  
हमको डर है के ये तौहीन-ए-मुहब्बत होगी, मुहब्बत होगी  
पाँव छू लेने दो ...

दिल की बेचैन उमंगों पे करम फ़रमाओ - २  
इतना रुक रुक  
इतना रुक रुक के चलोगे तो क़यामत होगी, क़यामत होगी  
पाँव छू लेने दो ...

शर्म रोके है इधर, शौक उधर खींचे है - २  
क्या खबर थी  
क्या खबर थी तभी इस दिल की ये हालत होगी  
ये हालत होगी  
पाँव छू लेने दो ...

शर्म गैरों से हुआ करती है अपनों से नहीं - २  
शर्म हम से

शर्म हम से भी करोगे तो मुसीबत होगी, मुसीबत होगी  
पाँव छू लेने दो ...